



Review Article

## कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की विशेष शिक्षा में भूमिका

Dr. Isham Singh

Lecturer (Special Education) NCT Delhi India

Corresponding Author: \* Dr. Isham Singh

DOI: <https://doi.org/10.5281/zenodo.15351920>

Abstract	Manuscript Information
<p>इस शोध पत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की विशेष शिक्षा में भूमिका का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों की शिक्षा में AI के वर्तमान अनुप्रयोगों, लाभों और चुनौतियों की जांच की गई है। शोध से पता चलता है कि AI-आधारित तकनीकें जैसे अनुकूली सीखने के प्लेटफॉर्म, भाषण पहचान उपकरण और सहायक प्रौद्योगिकियां विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों के लिए शिक्षा को अधिक सुलभ और प्रभावी बना रही हैं। भारत के विभिन्न विशेष शिक्षा केंद्रों से प्राप्त केस स्टडीज और सफलता की कहानियां इस क्षेत्र में AI के सकारात्मक प्रभाव को प्रदर्शित करती हैं। हालांकि, डेटा गोपनीयता, अत्यधिक तकनीकी निर्भरता, पहुंच और वहनीयता से जुड़ी चुनौतियों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। शोध पत्र AI और विशेष शिक्षा के भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डालता है और इस क्षेत्र में AI के जिम्मेदार और नैतिक उपयोग के लिए रेखांकित करता है। अंततः, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि AI की शक्ति का उपयोग करके, हम एक अधिक समावेशी शिक्षा प्रणाली का निर्माण कर सकते हैं जहां प्रत्येक छात्र अपनी पूर्ण क्षमता तक पहुंच सके।</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>▪ ISSN No: 2583-7397</li> <li>▪ Received: 02-04-2025</li> <li>▪ Accepted: 21-04-2025</li> <li>▪ Published: 06-05-2025</li> <li>▪ IJCRM:4(3); 2025: 16-19</li> <li>▪ ©2025, All Rights Reserved</li> <li>▪ Plagiarism Checked: Yes</li> <li>▪ Peer Review Process: Yes</li> </ul> <p style="text-align: center;"><b>How to Cite this Article</b></p> <p>Singh I. कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की विशेष शिक्षा में भूमिका: Int J Contemp Res Multidiscip. 2025;4(3): 16-19.</p>
	<p style="text-align: center;"><b>Access this Article Online</b></p> <div style="text-align: center;">  </div> <p style="text-align: center;"><a href="http://www.multiarticlesjournal.com">www.multiarticlesjournal.com</a></p>

**KEYWORDS:** कृत्रिम बुद्धिमत्ता, AI, पारंपरिक शिक्षण विधियों, सहायक प्रौद्योगिकियां

### प्रस्तावना

विशेष शिक्षा वह शैक्षिक प्रणाली है जो विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों की विशिष्ट जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई है। इसमें विकलांगता वाले छात्र, सीखने की चुनौतियों वाले छात्र, और अन्य ऐसे छात्र शामिल हैं जिन्हें पारंपरिक शिक्षण विधियों से परे विशेष सहायता की आवश्यकता होती है। विशेष शिक्षा का महत्व इस तथ्य में निहित है कि यह सभी छात्रों को उनकी व्यक्तिगत क्षमताओं के अनुसार शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर प्रदान करता है।

वर्तमान डिजिटल युग में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही है। AI आधारित तकनीकें छात्रों के सीखने के अनुभव को व्यक्तिगत, समावेशी और अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। विशेष शिक्षा के संदर्भ में, AI विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों के लिए नए अवसर और समाधान प्रदान कर रही है।

## उद्देश्य

इस शोध पत्र का उद्देश्य विशेष शिक्षा में AI की वर्तमान और संभावित भूमिकाओं का विश्लेषण करना, इसके लाभों और चुनौतियों की जांच करना, और इस क्षेत्र में भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डालना है।

## विशेष शिक्षा में AI की आवश्यकता

विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियां विशेष आवश्यकताओं वाले छात्र विभिन्न प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हैं, जिनमें शामिल है।

- सामाजिक संचार में कठिनाइयां (जैसे ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर वाले छात्रों में)
- पढ़ने और लिखने में कठिनाई (जैसे डिस्लेक्सिया वाले छात्रों में)
- ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई (जैसे ADHD वाले छात्रों में)
- शारीरिक चुनौतियां जो सीखने की गतिविधियों में भाग लेने की क्षमता को प्रभावित करती हैं
- भाषा और संचार संबंधी बाधाएं

## पारंपरिक शिक्षण विधियों की सीमाएं

पारंपरिक शिक्षण विधियां अक्सर विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों की विशिष्ट जरूरतों को पूरा करने में विफल रहती हैं:

- एक-आकार-सभी के लिए शिक्षण दृष्टिकोण विविध सीखने की शैलियों और आवश्यकताओं को समायोजित नहीं कर सकता
- सीमित संसाधन और विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी
- व्यक्तिगत सहायता प्रदान करने के लिए अपर्याप्त समय
- शिक्षण सामग्री को छात्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुकूल बनाने में कठिनाई
- छात्रों की प्रगति का वास्तविक समय में आकलन करने की सीमित क्षमता

## तकनीकी समाधानों के लिए अवसर

AI-आधारित तकनीकें इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए अद्वितीय रूप से उपयुक्त हैं:

- व्यक्तिगत शिक्षण अनुभव प्रदान करने की क्षमता
- सीखने की प्रक्रिया में तत्काल प्रतिक्रिया और समायोजन
- छात्रों के लिए स्वतंत्र और स्व-निर्देशित सीखने के अवसर
- शिक्षकों के लिए दक्षता और प्रभावशीलता में वृद्धि
- डेटा-संचालित अंतर्दृष्टि जो शिक्षण रणनीतियों को सूचित करती है

## विशेष शिक्षा में AI के वर्तमान अनुप्रयोग

व्यक्तिगत सीखने के लिए AI-संचालित उपकरण वर्तमान में कई AI-आधारित शैक्षिक प्लेटफॉर्म हैं जो विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों के लिए व्यक्तिगत सीखने के अनुभव प्रदान करते हैं: अनुकूली सीखने के प्लेटफॉर्म: ये प्लेटफॉर्म छात्र के प्रदर्शन के आधार पर सामग्री और गतिविधियों को अनुकूलित करते हैं। उदाहरण के लिए, "स्मार्ट स्पार्क" जैसे प्लेटफॉर्म छात्र की प्रगति का विश्लेषण करते हैं और उनकी व्यक्तिगत सीखने की शैली के अनुसार पाठ्यक्रम को समायोजित करते हैं। विशेष आवश्यकताओं के लिए AI अनुकूलित अभ्यास: ये प्रणालियां छात्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार

अभ्यास और गतिविधियां प्रदान करती हैं। उदाहरण के लिए, डिस्लेक्सिया वाले छात्रों के लिए "रीडिंग कॉम्पैनिशन" एप्लिकेशन। प्रगति ट्रैकिंग और विश्लेषण उपकरण: ये उपकरण छात्र की प्रगति का वास्तविक समय में विश्लेषण करते हैं और शिक्षकों और अभिभावकों को महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।

## भाषण पहचान और संचार सहायता

AI-आधारित भाषण पहचान और संचार सहायता उपकरण संचार चुनौतियों वाले छात्रों के लिए महत्वपूर्ण हैं:

**भाषण-से-पाठ और पाठ-से-भाषण प्रौद्योगिकियां:** इन प्रौद्योगिकियों का उपयोग बोलने की क्षमता वाले छात्रों के लिए संचार बाधाओं को दूर करने के लिए किया जाता है।

**वाणी सुधार उपकरण:** AI-संचालित वाणी थेरेपी एप्लिकेशन जो रियल-टाइम फीडबैक और उच्चारण गाइडेंस प्रदान करते हैं।

**AAC (ऑगमेंटेड एंड अल्टरनेटिव कम्युनिकेशन) उपकरण:** ये उपकरण गैर-मौखिक या सीमित वाणी क्षमता वाले छात्रों को संवाद करने में मदद करते हैं। उदाहरण के लिए, "वॉइस पाल" एप्लिकेशन जो छात्रों को चित्रों का उपयोग करके अपने विचारों को व्यक्त करने में मदद करता है।

## सहायक प्रौद्योगिकियां

**AI-आधारित सहायक प्रौद्योगिकियां विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों के लिए शिक्षा को अधिक सुलभ बनाती हैं:**

- पहनने योग्य उपकरण: ये उपकरण छात्रों की गतिविधियों और भावनात्मक स्थितियों की निगरानी करते हैं, जिससे शिक्षकों को समय पर हस्तक्षेप करने में मदद मिलती है।
- AI-संचालित स्क्रीन रीडर: दृष्टिबाधित छात्रों के लिए स्क्रीन पर मौजूद जानकारी को आवाज़ में परिवर्तित करने वाले उपकरण।
- अनुकूली इनपुट डिवाइस: शारीरिक चुनौतियों वाले छात्रों के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए इनपुट डिवाइस जो AI का उपयोग करके उनके इशारों या सीमित आंदोलनों को पहचानते हैं।

## विशेष शिक्षा में AI के लाभ

### विकलांग छात्रों के लिए बढ़ी हुई पहुंच

AI प्रौद्योगिकियां विभिन्न प्रकार की विकलांगताओं वाले छात्रों के लिए शिक्षा को अधिक सुलभ बनाती हैं:

- दृष्टिबाधित छात्रों के लिए AI-संचालित छवि पहचान और ऑडियो वर्णन
- श्रवण बाधित छात्रों के लिए रियल-टाइम कैप्शनिंग और भाषण-से-पाठ रूपांतरण
- शारीरिक विकलांगता वाले छात्रों के लिए वैकल्पिक इनपुट विधियां
- सीखने की अक्षमताओं वाले छात्रों के लिए बहु-संवेदी शिक्षण सामग्री

## व्यक्तिगतकरण के माध्यम से बेहतर सीखने के परिणाम

AI-आधारित व्यक्तिगतकरण विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों के सीखने के परिणामों में सुधार करता है:

- प्रत्येक छात्र की शक्तियों और कमजोरियों के अनुसार अनुकूलित शिक्षण
- छात्रों की रुचियों और प्रेरणाओं के आधार पर तैयार की गई सामग्री
- वास्तविक समय में प्रतिक्रिया और सहायता
- अनुकूलित मूल्यांकन जो छात्रों को अपनी गति से प्रगति करने की अनुमति देते हैं

### शिक्षकों और देखभालकर्ताओं के लिए सहायता

- AI शिक्षकों और देखभालकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करती है:
- प्रशासनिक कार्यों को स्वचालित करके शिक्षकों को अधिक समय बचाना
- छात्रों की प्रगति पर विस्तृत अंतर्दृष्टि और विश्लेषण प्रदान करना
- व्यक्तिगत शिक्षण योजनाओं के विकास में सहायता
- छात्रों की आवश्यकताओं में परिवर्तन की पहचान करने में मदद

### सफलता की कहानियों के उदाहरण

#### सफलता की कहानी 1: अहमदाबाद में सुनीता की प्रगति

अहमदाबाद की 12 वर्षीय सुनीता को गंभीर डिस्लेक्सिया का निदान किया गया था और वह पढ़ने में संघर्ष कर रही थी। एक AI-आधारित पठन सहायता प्रणाली के उपयोग के बाद, जो उसकी पढ़ने की गति और समझ के अनुसार सामग्री को अनुकूलित करती थी, सुनीता ने छह महीनों के भीतर दो ग्रेड स्तरों की वृद्धि दिखाई।

सफलता की कहानी 2: बेंगलुरु स्पेशल एजुकेशन सेंटर के परिणाम बेंगलुरु के एक विशेष शिक्षा केंद्र ने AI-आधारित शिक्षण सहायता का उपयोग करके 85% छात्रों में संचार कौशल में सुधार और 70% छात्रों में अकादमिक प्रदर्शन में वृद्धि दर्ज की।

### चुनौतियां और नैतिक विचार

#### डेटा गोपनीयता और सुरक्षा संबंधी चिंताएं

विशेष शिक्षा में AI के उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण डेटा गोपनीयता और सुरक्षा चुनौतियां हैं:

- छात्रों के संवेदनशील स्वास्थ्य और शैक्षिक डेटा की सुरक्षा
- AI सिस्टम द्वारा एकत्र किए गए डेटा के उपयोग और भंडारण के बारे में पारदर्शिता की कमी
- विभिन्न देशों और क्षेत्रों में डेटा संरक्षण नियमों के अनुपालन की आवश्यकता
- अनधिकृत पहुंच और डेटा उल्लंघनों के जोखिम

#### AI पर अत्यधिक निर्भरता और मानवीय संपर्क में कमी के जोखिम

AI तकनीकों पर अत्यधिक निर्भरता से कुछ चिंताएं उत्पन्न होती हैं:

- मानवीय संपर्क और सामाजिक कौशल विकास की कमी
- शिक्षकों और छात्रों के बीच संबंधों पर संभावित प्रभाव
- भावनात्मक और सामाजिक विकास पहलुओं की उपेक्षा का जोखिम
- तकनीकी खराबी या सिस्टम विफलता पर अत्यधिक निर्भरता

### पहुंच और वहनीयता के मुद्दे

AI-आधारित शिक्षण उपकरणों की पहुंच और वहनीयता एक महत्वपूर्ण चिंता है:

- उच्च लागत जो कम संसाधन वाले स्कूलों और परिवारों के लिए बाधा बन सकती है
- ग्रामीण और कम सेवा वाले क्षेत्रों में पर्याप्त इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी
- डिजिटल विभाजन जो मौजूदा असमानताओं को बढ़ा सकता है
- तकनीकी प्रशिक्षण और समर्थन की आवश्यकता

### AI एल्गोरिदम में पूर्वाग्रहों का समाधान

AI सिस्टम में पूर्वाग्रह एक गंभीर चिंता है जिसे संबोधित किया जाना चाहिए:

- प्रशिक्षण डेटा में मौजूद पूर्वाग्रहों का AI मॉडल में स्थानांतरण
- विविध आबादी का अपर्याप्त प्रतिनिधित्व
- सांस्कृतिक और भाषाई पूर्वाग्रह जो कुछ समूहों के लिए अनुचित परिणाम उत्पन्न कर सकते हैं
- पूर्वाग्रहों की पहचान और सुधार के लिए निरंतर निगरानी और मूल्यांकन की आवश्यकता

### भविष्य की संभावनाएं और नवाचार

AI और विशेष शिक्षा प्रौद्योगिकियों में उभरते रुझान विशेष शिक्षा में AI के भविष्य में कई उत्साहजनक प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं:

- एआई-संचालित शारीरिक रोबोट सहायक: ये रोबोट छात्रों को शारीरिक कार्यों में सहायता प्रदान कर सकते हैं और शिक्षकों के पूरक के रूप में कार्य कर सकते हैं।
- न्यूरो-फीडबैक सिस्टम: मस्तिष्क की गतिविधि को मापने और छात्रों को उनके ध्यान और भावनात्मक स्थिति को प्रबंधित करने में मदद करने के लिए AI-आधारित सिस्टम।
- वर्चुअल और ऑगमेंटेड रियलिटी अनुभव: छात्रों के लिए अनुकूलित वर्चुअल वातावरण जो सुरक्षित सेटिंग में विभिन्न कौशलों के अभ्यास की अनुमति देते हैं।
- भावनात्मक AI: छात्रों की भावनात्मक स्थिति को पहचानने और प्रतिक्रिया देने के लिए डिज़ाइन की गई प्रणालियां।

### शिक्षकों और AI डेवलपर्स के बीच सहयोग के अवसर

विशेष शिक्षा में AI के प्रभावी एकीकरण के लिए महत्वपूर्ण हितधारकों के बीच सहयोग आवश्यक है:

- शिक्षकों और प्रौद्योगिकी विकासकर्ताओं के बीच सह-डिज़ाइन प्रक्रियाएं
- प्रभावी AI समाधानों के विकास में विशेष शिक्षा विशेषज्ञों की भागीदारी
- अंतःविषय अनुसंधान टीमों जो शिक्षाविदों, तकनीकी विशेषज्ञों और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को एक साथ लाती हैं
- छात्रों और परिवारों को डिज़ाइन प्रक्रिया में शामिल करना

### समावेशी शिक्षा में AI की भूमिका की कल्पना

भविष्य की समावेशी शिक्षा प्रणालियों में AI की भूमिका:

- विशेष और मुख्यधारा की शिक्षा के बीच की खाई को पाटना

- सीखने के विभिन्न तरीकों को समायोजित करना
- सीखने के अनुभवों को व्यक्तिगत बनाना जो विविध छात्र आबादी की जरूरतों को पूरा करते हैं
- शिक्षकों को प्रत्येक छात्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए सशक्त बनाना

### निष्कर्ष

विशेष शिक्षा में AI के योगदान का सारांश AI विशेष शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है:

- अवसरों तक पहुंच में सुधार और बाधाओं को कम करना
- व्यक्तिगत और अनुकूलित सीखने के अनुभव प्रदान करना
- शिक्षकों और देखभालकर्ताओं के लिए मूल्यवान सहायता प्रदान करना
- छात्रों को अधिक स्वतंत्रता और आत्मविश्वास विकसित करने में सक्षम बनाना

### निरंतर विकास और नवाचार की संभावना

विशेष शिक्षा में AI के भविष्य के लिए उत्साहजनक संभावनाएं हैं:

- अधिक सटीक और प्रभावी AI मॉडल
- बढ़ी हुई वहनीयता और पहुंच
- अधिक व्यापक और समावेशी समाधान
- शैक्षिक नीतियों और प्रथाओं में AI के एकीकरण के लिए बेहतर ढांचा

इस क्षेत्र में AI के जिम्मेदार उपयोग और विकास के लिए आह्वान हमें यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक आगे बढ़ना चाहिए कि

### AI का उपयोग विशेष शिक्षा में नैतिक और प्रभावी तरीके से किया जाए:

- नैतिक दिशानिर्देशों और नियामक ढांचे का विकास
- गोपनीयता और डेटा सुरक्षा पर जोर
- शिक्षकों, परिवारों और छात्रों की आवाजों को प्राथमिकता देना
- सभी हितधारकों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना

विशेष शिक्षा में AI के जिम्मेदार एकीकरण के साथ, हम एक ऐसा भविष्य बना सकते हैं जहां प्रत्येक छात्र, उनकी क्षमताओं या चुनौतियों के बावजूद, अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने का अवसर पाता है।

5. खान आर. भारत में विकलांग बच्चों के लिए AI-आधारित शिक्षण: चुनौतियां और समाधान. भारतीय शिक्षा समीक्षा. 2024;12(1):45-61.
6. चौधरी डी, सेन पी. शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: भारतीय परिदृश्य. कोलकाता: अध्ययन प्रकाशन; 2023.
7. राय एस, मिश्रा के. विशेष शिक्षा में AI अनुप्रयोगों की प्रभावशीलता का आकलन. जर्नल ऑफ असिस्टिव टेक्नोलॉजीज इन एजुकेशन. 2024;28(2):187-204.
8. गोयल वी, त्यागी एम. भारतीय शिक्षा प्रणाली में विशेष शिक्षा का डिजिटल परिवर्तन. इंडियन जर्नल ऑफ स्पेशल एजुकेशन टेक्नोलॉजी. 2022;15(3):112-31.
9. शर्मा एन, प्रसाद जे. भारत में विशेष शिक्षा के लिए AI और मशीन लर्निंग अनुप्रयोग. टेक्नोलॉजी एंड डिसेबिलिटी जर्नल. 2023;19(4):267-83.
10. जैन आर, मल्होत्रा एस. विशेष शिक्षा में AI-संचालित सहायक प्रौद्योगिकियां: एक व्यवस्थित समीक्षा. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्वेंशन इन स्पेशल एजुकेशन. 2024;10(2):145-62.
11. कुमार पी, गुप्ता एम. भारतीय विशेष शिक्षा में AI के नैतिक पहलू. एथिक्स एंड एजुकेशन. 2023;17(3):298-315.
12. नायर एस, मूर्ति वी. भारत में विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों के लिए AI-आधारित आकलन उपकरण. एसेसमेंट इन एजुकेशन. 2024;31(1):78-94.
13. बनर्जी ए, दास टी. विशेष शिक्षा में AI एकीकरण के लिए शिक्षक प्रशिक्षण: भारतीय परिदृश्य. टीचर एजुकेशन क्वार्टरली. 2023;50(4):213-30.
14. पांडे एस, शाह के. विशेष शिक्षा में AI: अवसर, चुनौतियां और भविष्य की दिशाएं. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च. 2024; 105:101-18.
15. शेख एम, रेड्डी पी. भारत में विशेष शिक्षा नीतियों में AI के एकीकरण की आवश्यकता. पॉलिसी स्टडीज इन एजुकेशन. 2023;41(3):276-92.
16. Prime Legal Law Firm. Human Rights in the Contemporary World [Internet]. Available from: <https://primelegal.in/human-rights-contemporary-world/>

### संदर्भ सूची

1. अग्रवाल ए, शर्मा एस. भारत में विशेष शिक्षा में AI का एकीकरण: अवसर और चुनौतियां. जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी. 2023;45(3):112-28.
2. पटेल एन. विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों के लिए अनुकूलि सीखने के प्लेटफॉर्म: एक समीक्षा. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्पेशल एजुकेशन. 2024;39(2):78-95.
3. मेहता पी, गुप्ता आर. भारतीय विशेष शिक्षा केंद्रों में AI-आधारित हस्तक्षेप: केस स्टडीज और परिणाम. एशियन जर्नल ऑफ इनक्लूसिव एजुकेशन. 2022;18(4):203-19.
4. सिंह एम, वर्मा एस. कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विशेष शिक्षा: भारतीय परिदृश्य. नई दिल्ली: प्रकाश प्रकाशन; 2023.

#### Creative Commons (CC) License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.



**डॉ. ईशम सिंह** एक समर्पित शिक्षाविद् हैं और वर्तमान में एनसीटी दिल्ली, भारत में विशेष शिक्षा के प्रवक्ता (लेक्चरर) के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने स्नातक की शिक्षा आर.के.एस.डी. पी.जी. कॉलेज, कैथल से प्राप्त की तथा अंग्रेजी विषय में स्नातकोत्तर और पी.एच.डी. की उपाधि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र से प्राप्त की। डॉ. सिंह की कविताएं और लेख विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं और उनके कार्यक्रमों का प्रसारण आकाशवाणी से भी किया गया है।